भारत - फ्रांस संबंध

भारत द्वारा परमाणु परीक्षण के शीघ्र बाद 1998 में सामरिक वार्ता में भारत और फ्रांस के लिए एक सामरिक साझेदारी करने का मार्ग प्रशस्त किया जिसके तहत सुरक्षा, अंतरिक्ष, रक्षा तथा असैन्य परमाणु सहयोग जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत - फ्रांस संबंध के तहत भारत को फ्रांस द्विदलीय समर्थन प्रदान करता है तथा फ्रांस के सभी राष्ट्रपतियों द्वारा इसे उच्च प्राथमिकता दी गई है। सामरिक साझेदारी स्थापित होने से राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों के स्तर पर नियमित रूप से उच्च स्तरीय आदान प्रदान के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

उच्च स्तर पर भागीदारियों तथा पहले से ही मजबूत सहयोग के विस्तार से 2015 में भारत - फ्रांस संबंध और मजबूत हुए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 09 से 12 अप्रैल 2015 के दौरान फ्रांस का ऐतिहासिक दौरा किया। प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांकोस ओलांद ने सितंबर 2015 में न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अतिरिक्त समय में एम द्विपक्षीय बैठक की थी। पुन: 30 नवंबर 2015 को पेरिस में सी ओ पी 21 के नेता कार्यक्रम (जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र रूपरेखा अभिसमय के पक्षकारों के सम्मेलन का 21वां सत्र) में उनकी मुलाकात हुई।

सुरक्षा, रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष के सामरिक क्षेत्रों में तथा द्विपक्षीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों जैसे कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संस्कृति, शिक्षा आदि में मंत्रियों एवं अधिकारियों की नियमित रूप से यात्राओं के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता तथा बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं जैसे कि एन एस जी, एम टी सी आर आदि में भारत की सदस्यता का समर्थन करना जारी रखा है।

प्रमुख यात्राएं :

फ्रांस के राष्ट्रपति श्री फ्रांको ओलांद 24 से 26 जनवरी 2016 के दौरान भारत के दौरे पर आएंगे तथा वह 67वें गणतंत्र दिवस परेड में मुख्य अतिथि होंगे।

सी ओ पी 21 के लिए प्रधानमंत्री की पेरिस यात्रा (29 और 30 नवंबर 2015) : भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सी ओ पी 21 की शुरुआत में 29 नवंबर 2015 को नेता कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पेरिस का दौरा किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ओलांद से मुलाकात की तथा उन्होंने 30 नवंबर को ली बोर्गेट में अंतर्राष्ट्रीय सह गठबंधन का साथ मिलकर उद्घाटन किया, जिसमें 120 देशों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री मोदी तथा राष्ट्रपति ओलांद ने संयुक्त रूप से कोटेशनों की एक पुस्तक का विमोचन किया जिसका शीर्षक 'इकोलाजी आफ आवर वर्ल्ड' था जिसके लिए दोनों नेताओं ने एक साथ भूमिका भी लिखी। राष्ट्रपति ओलांद, यू एस राष्ट्रपति ओबामा तथा उद्यमी बिलगेट्स के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के लिए 'मिशन इनोवेशन' कार्यक्रम को भी संबोधित किया।

प्रधानमंत्री की यात्रा (अप्रैल, 2015) : भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 9 से 12 अप्रैल 2015 के दौरान फ्रांस का आधिकारिक दौरा किया। यह यात्रा प्रधानमंत्री द्वारा यूरोप के किसी देश की पहली यात्रा थी। यह 9 वर्षों में फ्रांस की पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा भी थी। आधिकारिक यात्रा होने के बावजूद फ्रांस सरकार ने इसे 'आफिशियल प्लस' विजिट माना तथा ऐसे घटकों को शामिल किया जो सामान्यतया राजकीय यात्रा (विदेशी राष्ट्राध्यक्षों / शासनाध्यक्षों की यात्रा के लिए) के अंग होते हैं। प्रधानमंत्री का परंपरागत रूप से स्वागत किया गया तथा एलिसीस पैलेस में फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांकोस ओलांद द्वारा उनके सम्मान में दावत का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति होलांदे के साथ एकांत वार्ता की थी और शिष्टमंडल स्तरीय वार्ता के दौरान आपसी हित के विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। सीन नदी पर उनके साथ

नौकायन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित करके राष्ट्रपति होलांदे ने एक अनोखा सम्मान भी प्रदान किया। उनके साथ विदेश एवं अंतर्राष्ट्रीय विकास मंत्री श्री लौरेंट फैबियस तथा रक्षा मंत्री श्री जीन यवेस ली ड्रियन के अलावा पेरिस के मेयर एन्नी हिडालगो भी आए थे। सी ई ओ मंच के सह अध्यक्षों ने 10 अप्रैल 2015 को एलिसे पैलेस में आयोजित एक समारोह में भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति को भारत - फ्रांस सी ई ओ मंच की 7वीं बैठक का परिणाम प्रस्तुत किया, जिसका आयोजन 9 अप्रैल 2015 को हुआ था। दोनों नेताओं द्वारा प्रेस के लिए वक्तव्य दिया गया तथा एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया जिसमें लिए गए विभिन्न निर्णयों तथा द्विपक्षीय सहयोग के भावी क्षेत्रों को शामिल किया गया। फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस सर्कोजी ने 11 अप्रैल 2015 को प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के संसदीय नेताओं के साथ भी बैठक की। नेशनल असेंबली में अपनी बैठक के बाद फ्रांस की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष श्री क्लौड बार्टोलोन ने प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में लंच दिया जिसमें दोनों देशों के बीच संसदीय आदान प्रदान तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। अवसंरचना तथा रक्षा विनिर्माण पर व्यवसाय गोलमेज को संबोधित करने के लिए एम ई डी ई एफ (फ्रांसीसी व्यवसाय परिसंघ) द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया गया। दो गोलमेज में से प्रत्येक में शीर्ष फ्रांसीसी कंपनियों के 15 सी ई ओ ने भाग लिया। फ्रांस के विदेश मंत्री ने अवसंरचना पर आयोजित गोलमेज में भाग लिया तथा फ्रांस के रक्षा मंत्री ने रक्षा विनिर्माण पर आयोजित गोलमेज में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने यूनेस्को की महानिदेशक सुश्री इरिना बोकोवा के साथ बैठक के बाद यूनेस्को, पेरिस में एक विशाल सभा को भी संबोधित किया जहां उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जो 21 जून को मनाया गया, के लिए विशेष रूप से समर्पित एक वेबसाइट को लांच किया। प्रधानमंत्री ने यूनेस्को परिसर में श्री अरबिंदो की लगाई गई प्रतिमा पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री फ्रांस के मिडी - पिरेनीस क्षेत्र में टुलाउस शहर भी गए। टुलाउस में प्रधानमंत्री ने एयर बस, जो फ्रांसीसी एयरक्राफ्ट का विनिर्माता है, की विनिर्माण यूनिट का भी दौरा किया जहां उन्होंने एयर बस के साथ काम करने वाले भारतीय इंजीनियरों से मुलाकात की। वह सी एन ई एस (फ्रांसीसी राष्ट्रीय अंतरिक्ष अध्ययन केन्द्र) भी देखने गए जहां उनको पिछले 5 दशकों में अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत - फ्रांस सहयोग का सिंहावलोकन प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री ने मिडी पाइरेनीज की क्षेत्रीय परिषद के अध्यक्ष सहित फ्रांसीसी क्षेत्रों के चुने हुए प्रतिनिधियों से बातचीत की।

रक्षा मंत्री री जीन यवेस ली ड्रियन के साथ प्रधानमंत्री फ्रांस के उत्तर में स्थित न्यूवे चैपल भी गए। न्यूवे चैपल स्मारक भारत के उन 4700 सैनिकों की याद दिलाता है जिन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान पश्चिमी मोर्चे पर अपने जीवन की आहुति दी थी। प्रधानमंत्री ने अपने जीवन की आहुति देने वाले इन भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पहली बार भारत के किसी प्रधानमंत्री ने न्यूवे चैपल का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने कोरोसल डू लावरे में भारतीयों तथा फ्रांस में भारतीय मूल के व्यक्तियों की एक विशाल सभा को संबोधित किया तथा इसका सीधा प्रसारण सेंट डेनिस तथा रीयूनियन एवं ग्वाडेलूप दीप समूह में अन्य स्थानों में किया गया जहां भारतीय मूल का समुदाय भारी संख्या में रहता है।

इस यात्रा के दौरान भारत और फ्रांस के बीच सहयोग के विविध क्षेत्रों में 19 करारों / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए जैसे कि परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, रेलवे, सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल, पर्यटन, मानव आदान प्रदान, नवीकरणीय ऊर्जा तथा ऐतिहासिक स्मारकों का जुड़वाकरण आदि। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग के 50 साल पूरा होने की स्मृति में एक भारत - फ्रांस संयुक्त डाक टिकट का भी अनावरण किया। इस यात्रा के दौरान जिन करारों / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए उनकी सूची संलग्न है।

राष्ट्रपति होलांदे की (फरवरी, 2013) में भारत यात्रा राष्ट्रपति होलांदे की फरवरी, 2013 में भारत यात्रा की। उनके साथ छ: मंत्री भी आए थे जिसमें विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, विदेश व्यापार मंत्री, संस्कृति मंत्री, उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री तथा परिवहन के प्रभारी उप मंत्री शामिल हैं और इसके अलावा एक 50 सदस्यीय कारोबारी शिष्टमंडल भी आया था। उन्होंने आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर

राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा की। विदेश मंत्री, यू पी ए अध्यक्ष, प्रतिपक्ष के नेता तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल ने उनसे मुलाकात की। मुंबई में, उन्होंने भारतीय कारोबार जगत के रहनुमाओं से बातचीत की। राष्ट्रपति ओलांद की इस यात्रा के दौरान एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया। संस्कृति, अंतरिक्ष, रेलवे और शिक्षा के क्षेत्रों में चार करारों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत और फ्रांस अपनी सामरिक साझेदारी को और मजबूत करने तथा अपनी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का उपयोग करके द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और जीवंत बनाने के लिए राजी हुए। रक्षा के क्षेत्र में उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए अपनी निरंतर रुचि की फिर से पुष्टि की। वे द्विपक्षीय असैन्य परमाणु सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए राजी हुए तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अलावा अनुसंधान एवं शिक्षा में सहयोग बढ़ने की आशा व्यक्त की। फ्रांस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता तथा एन एस जी एवं अन्य निर्यात नियंत्रण व्यवस्थाओं में भारत की सदस्यता के लिए अपने समर्थन को दोहराया।

अन्य यात्राएं : पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री प्रकाश जावेड़कर ने 9 और 10 अक्टूबर 2015 को पेरिस में सी ओ पी 21 पूर्व मंत्री स्तरीय परामर्श में भाग लिया। उन्होंने पेरिस में 20 और 21 जुलाई 2015 को अनौपचारिक मंत्री स्तरीय परामर्श में और फिर 6 और 7 सितंबर 2015 को भी भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। 14 से 18 जून 2015 के दौरान पेरिस एयर शो के लिए नागर विमानन मंत्री श्री अशोक गजपति राजू और योजना एवं रक्षा राज्य मंत्री श्री राव इन्द्रजीत सिंह ने पेरिस का दौरा किया। वाणिज्य राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमन ने 3 से 6 जुलाई 2015 के दौरान पेरिस का दौरा किया।

नई दिल्ली में दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर बैठक (डी एस डी एस) के सिलसिले में 5 फरवरी 2015 को फ्रांस के विदेश मंत्री श्री लारेंट फेबिअस ने भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की तथा विदेश मंत्री, रेल मंत्री तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री के साथ बैठक की और द्विपक्षीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की। पारिस्थितिकी, संपोषणीय विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्रीमती सेगोलेन रोयाले ने भी डी एस डी एस में भाग लिया। श्री फैबुलस ने पुन: 20 नवंबर 2015 को भारत का दौरा किया और पेरिस में सी ओ पी 21 की तैयारी के सिलसिले में प्रधानमंत्री से मुलाकात की। फ्रांस के रक्षा मंत्री श्री जीन यवेस ली ड्रायन ने 24 फरवरी 2015 को भारत का दौरा किया और अपने समकक्ष तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ बैठक की। उन्होंने पुन: मई 2015 में भारत का दौरा किया तथा रक्षा मंत्री से बात की।

वार्ता की संस्थानिक संरचना :

भारत - फ्रांस रणनीतिक वार्ता : भारत और फ्रांस ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के स्तर पर सामरिक वार्ता शुरू की है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत डोवाल और फ्रांस के राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार श्री जैकस आडिबर्ट के बीच 12 और 13 जनवरी 2015 को हाल ही में पेरिस में नवीनतम चक्र का आयोजन हुआ। इससे पहले 26वें चक्र की वार्ता नई दिल्ली में 9 अक्टूबर 2014 को हुई थी तथा 25वें चक्र की वार्ता पेरिस में 30 जनवरी 2014 को हुई थी।

विदेश कार्यालय परामर्श : विदेश सचिवों के स्तर पर वार्षिक विदेश कार्यालय परामर्श के पिछले चक्र का आयोजन 17 जून, 2013 को पेरिस में हुआ था। राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए अल्पावधिक प्रवास वीजा के लिए परस्पर छूट पर करार पर इस यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। विदेश सचिव डा. एस जयशंकर ने अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा की तैयारी के सिलसिले में मार्च 2015 में पेरिस का दौरा किया।

आतंकवाद की खिलाफत पर संयुक्त कार्यसमूह : आतंकवाद की खिलाफत पर संयुक्त कार्यसमूह की 9वीं बैठक 20 जून 2014 को पेरिस में हुई तथा इसकी 10वीं बैठक हाल ही में 4 दिसंबर 2015 को नई दिल्ली में हुई है।

साइबर वार्ता : भारत – फ्रांस साइबर वार्ता के दूसरे चक्र का आयोजन पेरिस में 17 मार्च, 2015 को नई दिल्ली में हुआ। दोनों पक्षों ने साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर अपने सहयोग को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

समुद्री सहयोग पर वार्ता : समुद्री सहयोग पर वार्ता की पहली बैठक 14 और 15 जून 2016 को पेरिस में हुई। इस वार्ता के लिए उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अरविंद गुप्ता ने भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व किया।

अप्रसार एवं नि:शस्त्रीकरण पर वार्ता : फ्रांस के विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के एक शिष्टमंडल ने हथियार व्यापार संधि पर वार्ता के लिए 28 जनवरी 2014 को भारत का दौरा किया।

ट्रैक 1.5 वार्ता : प्रेक्षक अनुसंधान प्रतिष्ठान, भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र (सी ई आर आई, साइंस पो – पेरिस) के बीच ट्रैक 1.5 भारत – फ्रांस वार्षिक वार्ता के पहले चक्र का अयोजन 23 मई, 2013 को पेरिस में हुआ।

आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग हेतु संयुक्त आयोग वाणिज्य मंत्रियों के स्तर पर संयुक्त आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समिति के 16वें चक्र का आयोजन 23 से 25 जून, 2010 के दौरान पेरिस में हुआ।

सी ई ओ फोरम तथा अन्य आर्थिक वार्ताएं : भारत - फ्रांस सी ई ओ फोरम की नवीनतम बैठक प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान 9 अप्रैल 2015 को हुई थी। भारत और फ्रांस के वित्त मंत्रियों के बीच पहली वार्षिक आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता पेरिस में 29 अक्टूबर 2013 को हुई थी। संपोषणीय शहरी विकास पर गठित संयुक्त समिति की पहली बैठक 20 सितंबर, 2013 को पेरिस में हुई। सूचना प्रौद्योगिकी पर गठित संयुक्त कार्य समिति की 9वीं बैठक भी अक्टूबर, 2013 के दौरान पेरिस में हुई।

असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग : प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की फ्रांस यात्रा के दौरान 30 सितंबर, 2008 को भारत और फ्रांस के बीच असैन्य परमाणु सहयोग पर एक महत्वपूर्ण करार पर हस्ताक्षर किया गया। इसके बाद, 4 से 7 दिसंबर, 2010 के दौरान राष्ट्रपति निकोलस सर्कोजी की भारत यात्रा के दौरान जीतापुर में ई पी आर एन पी पी यूनिट के कार्यान्वयन के लिए एन पी सी आई एल और अरेवा के बीच सामान्य रूपरेखा करार तथा शीघ्र कार्य करार पर हस्ताक्षर किया गया।

अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की यात्रा के दौरान दो एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए - एक लार्सन एण्ड टर्बो तथा अरेवा के बीच और दूसरा एन पी सी आई एल (न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड) और अरेवा के बीच इंजीनियरिंग पूर्व करार। कार्यान्वयन पर चर्चा चल रही है।

अंतरिक्ष सहयोग : फ्रांस और भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयोग में एक – दूसरे को महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखते हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एवं इसके फ्रांसीसी समकक्ष दि सेंटर नेशनल दे एटीड्यूस स्पेटियल्स (सी एन ई एस) के बीच सहयोग एवं साझेदारी का एक समृद्ध इतिहास है जो 5 दशकों से चला आ रहा है। प्रधानमंत्री की अप्रैल 2015 में फ्रांस की यात्रा के दौरान अंतरिक्ष में सहयोग के 50 साल पूरा होने की याद में संयुक्त डाक टिकट जारी किए गए। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष की गतिविधियों में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किए गए। इस करार के तहत पृथ्वी प्रेक्षण उपग्रह के संयुक्त विकास, अंतर ग्रह मिशनों में सहयोग तथा भारतीय उपग्रह पर फ्रांसीसी पेलोड वहन करने की परिकल्पना है। हस्ताक्षर होने के बाद 14 जून 2015 को एस ए सी, अहमदाबाद में इसरो - सी एन ई एस बैठक हुई तथा दोनों पक्ष भावी संयुक्त थर्मल इनफ्रा रेड सेटलाइट मिशन के लिए एक विस्तृत कनफिगरेशन पर राजी हुए।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान अंतरिक्ष के क्षेत्र में जिन दो अन्य एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए उनमें दो साल के लिए मेघ ट्रपिक्यू उपग्रह पर इसरो - सी एन ई एस एम ओ यू का विस्तार तथा भारतीय उष्ण

कटिबंधीय क्षेत्र में काबैंड प्रसार अन्वेषण के लिए इसरो, सी एन ई एस एवं ओनेरा के बीच एम ओ यू शामिल हैं। इसके लिए हासन (इसरो केंद्र) में सी एन ई एस इंस्ट्रूमेंट लगाने का कार्य संतोषप्रद ढंग से पूरा हो गया है।

इसरो और सी एन ई एस ने ए आर जी ओ एस और ए एल टी आई के ए (सरल) के लिए संयुक्त रूप से उपग्रह का विकास किया था जिस पर एक रडार अल्टीमीटर और एक संग्रहण प्लेटफार्म लदा हुआ है। फरवरी 2013 में सरल उपग्रह इसरो के ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण वाहन (पी एस एल वी) से प्रक्षेपित किया गया। उष्ण कटिबंधीय वातावरण की निगरानी के लिए मेघा ट्रापिक्स सेटलाइट 2011 के उत्तरार्ध में लांच किया गया। दोनों सेटलाइट पर्यावरण की निगरानी, वातावरण की निगरानी तथा ओसन सर्फेस टोपोग्राफी पर उपयोगी डाटा प्रदान कर रहे हैं। 11 से 14 अक्टूबर 2015 की अवधि के दौरान टुलाउस में सरल के उपयोग (रेवेक्स) की दूसरी वार्षिक समीक्षा की गई।

अंतरिक्ष कारपोरेशन लिमिटेड तथा आस्ट्रियम एस ए एस के बीच एक वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवा करार के तहत आस्ट्रियम एस ए एस द्वारा निर्मित एक उन्नत रिमोट सेंसिंग उपग्रह – स्पॉट-7 को भारत से जून 2014 में इसरो के पोलर सेटेलाइट लांच व्हीकल से सफलतापूर्वक लांच किया गया।

एरियन स्पेस, फ्रांस भारतीय भू-अचल उपग्रहों के लिए लांच सेवाएं प्रदान करने वाली प्रमुख कंपनी है। वाणिज्यिक आधार पर एरियाने स्पेस द्वारा 19 भारतीय उपग्रह प्रक्षेपित किए गए हैं। 7 दिसंबर, 2014 को, भारत के मल्टीबैंड दूरसंचार उपग्रह जीसैट-16 को सटीक रूप में एरियन-5 लांच व्हीकल द्वारा आशयित जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में सटीक ढंग से रखा गया। 10 नवंबर 2015 को फ्रेंच गीनिया से इसरो के उन्नत संचार उपग्रह जीसैट 15 को सफलता के साथ लांच किया गया। दो भारतीय संचार उपग्रह (जीसैट 17 और जीसैट 18) 2016 में एरिन स्पेस से एरिन 5 राकेट पर लांच किए जाने हैं। दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग के महत्व को स्वीकार करते हुए भारत सरकार ने इस सहयोग के मुख्य वास्तुकारों में से एक प्रोफेसर जैक्वेस ब्लामोंट (फ्रांसीसी वैज्ञानिक) को 2015 में पद्मश्री पुरस्कार से विभूषित किया।

रक्षा सहयोग : दोनों देशों की बीच रक्षा संबंध मजबूत हैं तथा भारत – फ्रांस रक्षा सहयोग करार के तहत सुगठित वार्ता की रूपरेखा के अंदर बढ़ रहे हैं। औद्योगिक साझेदारी तथा सेवा आदान – प्रदान पर अनेक बैठकें भी नियमित रूप से होती हैं।

उच्च स्तरीय यात्राएं : फ्रांस के रक्षा मंत्री जीन यवेस ली ड्रियन ने 23 फरवरी 2015 को भारत का दौरा किया तथा रक्षा मंत्री श्री मनोहर पर्रिकर के साथ बैठक की। इससे पहले वह 1 दिसंबर 2014 को भारत के दौरे पर आए थे। उन्होंने पुन: मई 2015 में भारत का दौरा किया तथा रक्षा मंत्री से बात की। रक्षा राज्य मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में रक्षा मंत्रालय के एक शिष्टमंडल ने 15 से 21 जून 2015 के दौरान आयोजित द्विवार्षिक पेरिस एयर शो के 51वें संस्करण में भाग लिया। मंत्रिमंडल सचिवालय के एक शिष्टमंडल ने भी इस शो में भाग लिया। फ्रांसीसी सेना के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल जीन पियरे बोसेर ने मार्च 2015 में भारत का दौरा किया। भारतीय थल सेना के चीफ आफ आर्मी स्टाफ ने मई 2013 में फ्रांस का दौरा किया था। फ्रेंच नेवी के चीफ आफ नवल स्टाफ एडमिरल बर्नार्ड रोगेई ने नवंबर 2014 में भारत का दौरा किया था। भारत का दौरा करने के लिए फ्रांस के चीफ ऑफ एयर स्टाफ को आधिकारिक निमंत्रण भेजा गया है तथा मार्च 2016 में यह यात्रा हो सकती है। फ्रांस के वाइस चीफ आफ एयर स्टाफ ने फ्रांस के वायुसेना प्रमुख की ओर से 18 से 22 फरवरी 2015 के दौरान बंगलौर में आयोजित द्विवार्षिक एयरो इंडिया एयर शो में भाग लिया, जबकि निदेशक, एशिया प्रशांत ने फ्रेंच डी जी ए का प्रतिनिधित्व किया। इस एयर शो में यू एस ए के बाद फ्रांस की भागीदारी सबसे बड़ी थी जिसमें फ्रांस की 58 कंपनियों ने भाग लिया।

संयुक्त अभ्यास : भारत और फ्रांस में नियमित रूप से संयुक्त सेना स्तरीय अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एक्स शक्ति' के अगले संस्करण का आयोजन 19 से 21 जनवरी 2016 के दौरान राजस्थान भारत में होगा। इस तरह के पहले संयुक्त अभ्यास का आयोजन भारत में चौबतिया में 9 से 22

अक्टूबर 2011 के दौरान किया गया था तथा दूसरे संयुक्त अभ्यास का आयोजन 9 से 20 सितंबर 2013 के दौरान फ्रेंच आल्पस में हुआ था। प्लाटून स्तरीय प्रशिक्षण अभ्यास बगावत की खिलाफत / पर्वतीय परिवेश में आतंकवाद की खिलाफत पर आधारित था। संयुक्त हवाई अभ्यास एक्स गरुण के 5वें संस्करण का आयोजन जून 2014 में जोधपुर में हुआ था। फ्रांसीसी कंप्लीमेंट में अल धाफ्रा, यू ए ई में उनके एयरबेस से चार राफेल और उनका एयर टू एयर रिफ्यूलर शामिल थे। फ्रांस के चीफ आफ एयर स्टाफ जनरल डेनिस मर्सियर ने 9 जून 2014 को इस अभ्यास के दौरान भारत का दौरा किया। भारत - फ्रांस नौसेना अभ्यास 'एक्स वरुण' के नवीनतम संस्करण का आयोजन मई 2015 में गोवा के तट पर हुआ। इस अभ्यास में प्रत्येक देश से एक एयरक्राफ्ट कैरियर और उनके सपोर्ट शिप ने भाग लिया। भारतीय नवल शिप तरंगिणी ने 26 अगस्त से 10 सितंबर 2015 के दौरान ली हावरे पोर्ट पर मेंटीनेंस काल किया। वाइस एडमिरल एस पी एस चीमा, एफ ओ सी-इन-सी वेस्ट ने उस समय फ्रांस का दौरा किया जब आई एन एस त्रिकंद ने 25 से 29 सितंबर 2015 तक टुलोन में पोर्ट काल किया था। अक्टूबर, 2014 में, भारतीय नौसेना के तीन पोतों ने रि-यूनियन द्वीप में सेंट डेनिस में पोर्ट कॉल किया।

रक्षा सहयोग पर उच्च समिति (एच सी डी सी) : रक्षा सचिवों के स्तर पर रक्षा सहयोग के लिए उच्च स्तरीय समिति (एच सी डी सी) की बैठक पेरिस में 12 जनवरी 2015 को हुई। रक्षा सचिव श्री आर के माथुर भारत के सह अध्यक्ष थे, जबकि श्री फिलिप अरेरा, महानिदेशक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध एवं रणनीति निदेशालय, रक्षा मंत्रालय, फ्रांस ने फ्रांस का प्रतिनिधित्व किया। सेना, नौसेना, वायुसेना पेशेवर विनिमय यात्रा, संयुक्त अभ्यास एवं औद्योगिक तथा प्रौद्योगिक सहयोग सहित रक्षा सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर चर्चा हुई। 13 जनवरी 2015 को रक्षा सचिव ने फ्रांस के रक्षा मंत्री से मुलाकात की तथा डी जी ए, चीफ आफ डिफेंस स्टाफ तथा रक्षा मंत्री के विशेष सलाहकार के साथ बैठक भी की। एच सी डी सी की 16वीं बैठक नई दिल्ली में होने की संभावना है।

द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश सहयोग : वर्ष 2014 में, भारत और फ्रांस के बीच कुल माल व्यापार 7.92 बिलियन यूरो था, जो वर्ष 2013 से 10.7 प्रतिशत अधिक है। फ्रांस को भारत के निर्यात का मूल्य 5.21 बिलियन यूरो (+18.4 प्रतिशत) था, जबकि भारत में फ्रांस का कुल निर्यात 2.7 (-0.33 प्रतिशत) बिलियन यूरो था। व्यापार अतिरेक जो पिछले 10 वर्षों से भारत के पक्ष में है, का मूल्य 2014 में 2.5 बिलियन यूरो था, जबकि यह 2013 में 1.7 बिलियन यूरो था। 2013 में फ्रांस के आयात में भारत का शेयर 1.04 प्रतिशत था, जबकि भारत को फ्रांसीसी निर्यात का शेयर फ्रांस के कुल निर्यात में 0.63 प्रतिशत था।

2015 की रुझानें : 2015 के पहले 10 महीनों में भारत और फ्रांस के द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 7.23 बिलियन यूरो था (जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 11.15 प्रतिशत अधिक है)। इस अवधि के दौरान फ्रांस को भारत के निर्यात में 6.53 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 4.57 बिलियन यूरो पर पहुंच गया तथा सभी शीर्ष उत्पाद श्रेणियों के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई : खनिज ईंधन एवं तेल (2.38 प्रतिशत); परिधान की वस्तुएं तथा वस्त्र के साजोसामान (5.62 प्रतिशत); मशीनरी तथा यांत्रिक उपस्कर (11.85 प्रतिशत); जैविक रसायन (6.62 प्रतिशत); विद्युत मशीनरी एवं उपकरण (1.64 प्रति शत); फुटवियर (9.13 प्रतिशत); लेदर गुड्स (6.98 प्रतिशत); वाहन एवं साजोसामान (28.38 प्रतिशत); और रत्न एवं आभूषण (29.46 प्रतिशत)। इस बीच फ्रांस से भारत को होने वाले निर्यात में जनवरी से अक्टूबर 2015 की अवधि के दौरान 20.10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। निम्नलिखित 10 शीर्ष उत्पादों के निर्यात में वृद्धि हुई : एयरक्राफ्ट, स्पेसक्राफ्ट और उनके पुर्जे (3.8 प्रतिशत); विद्युत मशीनरी एवं उपकरण (48.26 प्रतिशत); मशीनरी एवं यांत्रिक उपस्कर (8.71 प्रतिशत); आप्टिकल, फोटोग्राफिक, सिनेमाटोग्राफिक, मेजरिंग, चेकिंग, प्रिसीजन, मेडिकल या सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट एवं औजार तथा उनके पुर्जे (96.89 प्रतिशत); जैविक रसायन (14.49 प्रतिशत); प्लास्टिक एवं इससे बनी वस्तुएं (10.43 प्रतिशत); विविध रासायनिक उत्पाद (43.11 प्रतिशत); भेषज उत्पाद (6.81 प्रतिशत)। तथापि लोहा एवं इस्पात तथा इससे बनी वस्तुओं के निर्यात में 14.37 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

निवेश :

भारत में फ्रांसीसी निवेश : भारत के लिए फ्रांस एफ डी आई के प्रमुख स्रोत के रूप में उभरा है तथा फ्रांस की लगभग 750 बड़ी कंपनियां भारत में पहले से ही मौजूद हैं। डी आई पी पी द्वारा प्रदान की गई सांख्यिकी के अनुसार अप्रैल 2000 से सितंबर 2015 तक 4.77 बिलियन अमरीकी डालर के संचयी निवेश के साथ भारत में फ्रांस 9वां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है जो इस अवधि में भारत में कुल एफ डी आई अंत:प्रवाह का 1.80 प्रतिशत है। सबसे अधिक एफ डी आई इक्विटी अंत:प्रवाह सेवा क्षेत्र (19 प्रतिशत) है, जिसके बाद सीमेंट एवं जिप्सम उत्पाद (18 प्रतिशत), खाद्य प्रसंस्करण उद्योग (6 प्रतिशत), औद्योगिक मशीनरी (6 प्रतिशत) तथा औषधि एवं भेषज (5 प्रतिशत) का स्थान है।

व्यवहार्यत: फ्रांस के सभी बड़े समूहों की भारत में सहायक कंपनियां हैं। तथापि भारत में फ्रांसीसी कंपनियों के कुछ संयुक्त उद्यम एवं संपर्क कार्यालय हैं। फ्रांसीसी स्टाक मार्केट इंडेक्स पर सूचीबद्ध 40 सी ए सी में से 39 कंपनियां भारत में मौजूद हैं। मूलत: यांत्रिक एवं फार्मा - रसायन क्षेत्रों में 50 से 70 के बीच एस एम ई भी भारत में मौजूद हैं। फ्रांसीसी कंपनियां अनेक क्षेत्रों में मौजूद हैं : सेवा (बी एन पी परिबास, कैप जेमिनी, ह्वास, सोडेक्सहो आदि); भेषज - रसायन (अर्केमा, आई ओरियल, सनोफी, टोटल आदि); एयरो स्पेस (एयरबस, डसौल्ट यूरोकाप्टर, सैफ्रान, थेल्स आदि); एग्रो फूड (बोनग्रेन, डेनोन, लैक्टलिस, लीसाफ्रे पेरनोड रिकार्ड आदि); इलेक्ट्रानिक्स (क्रूजेट, जेमाल्टो, ओबरथुर, सैफ्रान, एस टी माइक्रोइलेक्ट्रानिक्स आदि); निर्माण यांत्रिकी (अल्सटोम, सेरमेक्स, लेगरिस ग्रुप, पोक्लेन, सिडेल); इलेक्ट्रिकल कंपोनेंट (हैगर, लेग्रांड, शेनिडर इलेक्ट्रिक आदि); आटोमोबाइल (फौरेसिया, माइकेलिन, प्लास्टिक ओमनियम, रेनौल्ट, वैलोटेक)। 2015 के दौरान फ्रांस से निवेश के जिन प्रस्तावों को मंजूरी प्रदानी की गई उनमें अन्यों के अलावा निम्नलिखित शामिल हैं : लुइस वुटोन मालेटियर (लगेज एण्ड लग्जरी लेदर गुड्स), फ्रेसिनेट इंटरनेशनल एण्ड कंपनी (भारी निर्माण परियोजनाओं का निर्माण), सैनोफी पास्टर (स्वास्थ्य देखरेख समाधान), सैफ्रान इंजीनियरिंग सर्विसेज (एयरोस्पेस, एनर्जी तथा ग्राउंड ट्रांसपोर्ट उद्योग को इंजीनियरिंग सेवाएं), सेरप इंडस्ट्रीज (लिक्विड एण्ड फूड प्रिजर्वेशन), अर्काडिन (कान्फ्रेंसिंग सेवाएं), ऑबर्ट एण्ड डुवल (एलॉय स्टील, स्टेनलेस स्टील और स्पेशल स्टील), ब्यूजोन (बीमा एवं परिसंपत्ति प्रबंधन) तथा पीटर्स सर्जिकल (सर्जिकल सूचर और मेश)।

फ्रांस में भारतीय निवेश : फ्रांस में लगभग 75 भारतीय कंपनियां प्रचालन कर रही हैं (उप सहायक कंपनियों को शामिल कर लें तो इनकी संख्या 100 से अधिक होगी) जो 7000 से अधिक लोगों को रोजगार दे रही हैं। 2014 में 9 नए भारतीय निवेश दर्ज किए गए जिससे 657 नौकरियों का सृजन या अनुरक्षण हुआ। फ्रांस में 56 प्रतिशत भारतीय निवेश कारोबारी सेवाओं में है तथा इसके बाद 22 प्रतिशत निवेश निर्णय लेने वाले केन्द्रों (पहली बार निवेश) और 22 प्रतिशत निवेश उत्पादन / विनिर्माण में है। इनमें से 22 प्रतिशत निवेश एयरोस्पेस उपकरण क्षेत्र में किया गया, जबकि भारतीय कंपनियां कृषि खाद्य क्षेत्र में विदेशी निवेश द्वारा सृजित 21 प्रतिशत नौकरियों के लिए जिम्मेदार हैं। भारतीय कंपनियों ने मुख्य रूप से पेरिस क्षेत्र (ले-डे-फ्रांस) में निवेश किया है जहां कुल भारतीय निवेश का 33 प्रतिशत संकेन्द्रित है। भारत 457 मिलियन यूरो के संचयी एफ डी आई अंत:प्रवाह के साथ फ्रांस में 30वां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है (फ्रेंच सेंट्रल बैंक द्वारा 2013 की सांख्यिकी के अनुसार)। फ्रांस में भारतीय निवेश बढ़ रहा है तथा अनुमान है कि फ्रांस में भारतीय निवेश की कुल मात्रा 1 बिलियन यूरो के आसपास होगी। फ्रांस में भारतीय निवेश विभिन्न क्षेत्रों में गया है, जैसे कि फार्मास्युटिकल (रैनबैक्सी और वोकहार्ड), साफ्टवेयर और आई टी (टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इनफोसिस एवं विप्रो), वाइन (किंगफिशर), स्टील (टाटा स्टील, इलेक्ट्रो स्टील), प्लास्टिक (सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज), रेलवे वैगन (टीटागढ़ वैगन), एयरोस्पेस (केड्स, एक्सिस एयरोस्पेस एण्ड टेक्नालजीज), आटो पार्ट्स (ज्योति), टू ह्वीलर (महिंद्रा एण्ड महिंद्रा), मेटल फोर्जिंग (भारत फोर्ज)। 2014 में सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज, टाटा ग्रुप, महिंद्रा एण्ड महिंद्रा तथा महाजन ग्रुप फ्रांस में चार सबसे बड़े भारतीय नियोक्ता थे। निम्नलिखित भारतीय कंपनियों की फ्रांस में 2015 में निवेश किया है: महिंद्रा एण्ड महिंद्रा जिसने प्यूजियोट टू ह्वीलर के 51 प्रतिशत शेयर का अधिग्रहण किया और भारत फोर्ज जिसने मेकेनिक जनरल लैंगोरिस (एम जी एल) का अधिग्रहण किया।

सांस्कृतिक सहयोग : भारतीय संस्कृति फ्रांस की आबादी में बहुत लोकप्रिय है जिसका संकेत पूरे फ्रांस में आयोजित असंख्य एवं बार-बार होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मिलता है। इसके तहत, भारतीय कला,

संगीत, नृत्य, सिनेमा और साहित्य की सभी विधाएं शामिल हैं। वर्ष 2013-15 के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम पर हस्ताक्षर उस समय किया गया जब 14 फरवरी, 2013 को राष्ट्रपति होलांडे भारत के दौरे पर आए थे। दोनों पक्ष राष्ट्रपति ओलांद की भारत की आगामी यात्रा के दौरान सी ई पी के नवीकरण पर विचार कर रहे हैं।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) भारतीय कलाकारों के फ्रांस दौरे को नियमित रूप से प्रायोजित करता है तथा कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में छात्रों के आदान – प्रदान में भी मदद करता है। आधिकारिक आदान – प्रदान के दायरे से बाहर रहकर विभिन्न स्थानीय सांस्कृतिक संघों की पहल पर या वाणिज्यिक आधार पर काफी संख्या में भारतीय कलाकार भी फ्रांस में अपनी कला का नियमित रूप से प्रदर्शन करते हैं।

15 महीने तक चलने वाला एक सांस्कृतिक महोत्सव 'नमस्ते फ्रांस' का आयोजन अप्रैल 2010 से जून 2011 तक किया गया जिसमें कला, संगीत, नृत्य, फिल्म, सिनेमा एवं साहित्य सहित भारतीय संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। फ्रांसीसी सरकार ने भारत में 2009-10 में और जनवरी - मार्च 2013 में 'बोनजोर इंडिया' के दो संस्करणों का आयोजन किया है जो भारत में फ्रांसीसी सांस्कृतिक महोत्सव है।

नमस्ते फ्रांस महोत्सव के दूसरे संस्करण का आयोजन सितंबर - नवंबर 2016 में फ्रांस के अनेक शहरों में होगा। आई सी सी आर के पैनल में शामिल तथा अनेक अन्य मशहूर कलाकार नमस्ते फ्रांस महोत्सव में परफार्मेंस देंगे। इन समारोहों में अनेक भारतीय सांस्कृतिक संगठन तथा फ्रांस में भारतीय डायसपोरा भाग लेगा। आई सी सी आर के अलावा अन्य संगठन जैसे कि संस्कृति मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय और एयर इंडिया भी इन समारोहों में भाग लेंगे। इस महोत्सव का उद्देश्य फ्रांस के युवाओं को सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जोड़कर उनमें भारतीय संस्कृति के बारे में परस्पर जागरूकता एवं समझ पैदा करना है। यह महोत्सव भारत में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा फ्रांस में हमारी साफ्ट पावर को प्रोत्साहित करने का भी एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है।

अप्रैल 2015 में माननीय प्रधानमंत्री की फ्रांस की यात्रा के दौरान दोनों देशों की सरकारें शहरी विकास पर संयुक्त कार्य समूह (जे डब्ल्यू जी) की परिधि के अंदर शहरी विरासत के परिरक्षण और दोनों देशों के ऐतिहासिक स्मारकों एवं स्थलों के जुड़वाकरण पर सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं। इस यात्रा के दौरान भारत और फ्रांस के बीच संस्कृति एवं विरासत के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित एम ओ यू / मंशा पत्र (एल ओ आई) पर हस्ताक्षर भी किए गए :

इंस्टिट्यूट नेशनल डू पैट्रिमोइन (आई एन पी) की उपस्थिति में भारत और फ्रांस के संस्कृति मंत्रालयों के बीच भारत के विरासत पेशेवरों के प्रशिक्षण के लिए व्यवस्था;

1. विशेष रूप से पानी के नीचे पुरातत्व के क्षेत्र में प्रशिक्षण, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान - प्रदान एवं विशेषज्ञों की तैनाती पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए एस आई) और इंस्टिट्यूट नेशनल डे रिसर्च आर्कियोलॉजिक प्रिवेंटिव ऑफ फ्रांस (आई एन आर ए पी) के बीच मंशा पत्र;
2. शहरी आयोजना, विरासत संरक्षण, बुनियादी सेवाओं का उन्नयन आदि जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए भारत के शहरों में कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का संचालन करने के लिए भारतीय विरासत शहर नेटवर्क प्रतिष्ठान (आई एच सी एन एफ) और एसोसिएशन नेशनल देस विलेस एट पेज डी आर्ट एट डी हिस्टोरी (ए एन वी पी ए एच) के बीच एम ओ यू।
3. पर्यटन के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग को बढ़ावा देने पर मंशा पत्र

कोलकाता के राजा राममोहन पुस्तकालय फ्रांस के राष्ट्रीय पुस्तकालय के बीच सहयोग के लिए करार पर अक्टूबर 2015 में कोलकाता में हस्ताक्षर किए गए हैं।

फ्रांस में योग एवं आयुर्वेद के प्रचार प्रसार पर काफी ध्यान दिया गया है। आयुष मंत्रालय और स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय के बीच आयुर्वेद पर मंशा पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके बाद स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय ने आयुर्वेद पर एक सम्मेलन का आयोजन किया।

अनेक भारत - फ्रांस मैत्री संघ तथा सांस्कृतिक संगठन भारतीय भाषाओं जैसे कि संस्कृत, हिंदी, तमिल एवं तेलुगू आदि को बढ़ावा दे रहे हैं। फ्रांस में हिंदी में बढ़ती रुचि को देखते हुए भारत सरकार 2016 में पेरिस में एक क्षेत्रीय हिंदी सम्मेलन का आयोजन करेगी।

अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान जारी किए गए संयुक्त वक्तव्य में दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों के संवर्धन में भारत में एलायंस फ्रां सिस और इंस्टीट्यूट फ्रांस इंडिया के साथ फ्रांस में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की भूमिका पर जोर दिया गया है। भारत 2017 तक पेरिस में एक भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र खोलने की दिशा में कदम उठा रहा है।

खेलों के क्षेत्र में सहयोग : अप्रैल, 2015 में प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान, भारत और फ्रांस द्वारा एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया जिसमें खेल, दवा, कार्यपालकों के प्रशिक्षण के संबंध में आदान - प्रदान, उच्च स्तरीय खेलों में विशेषज्ञों के आदान - प्रदान, संस्थानिक सहयोग, खेल में महिलाओं की भागीदारी के संवर्धन तथा खेल में डोपिंग के विरूद्ध संघर्ष एवं रोकथाम का प्रावधान है।

पर्यटन संवर्धन : भारत - फ्रांस साझेदारी को गहन करने के लिए नए क्षेत्रों के तहत मिशन ने कौशल विकास तथा पर्यटन में सहयोग के क्षेत्र की पहचान की है क्योंकि इसमें ऐसी क्षमता है तथा मिशन भारतीय पर्यटन कार्यालय, पेरिस के समन्वय में इस पर बल देना जारी रखेगा। मिशन भारत को पर्यटन के गंतव्य के रूप में प्रमोट करने के लिए काम करता है तथा राज्य सरकारों द्वारा आयोजित रोड शो के लिए मदद प्रदान करता है और भारतीय पर्यटन कार्यालय के साथ फ्रांसीसी बाजार में उनकी चुनौतियों का आकलन करने के लिए भारतीय टूर आपरेटरों के साथ अंत:क्रियात्मक सत्रों का सह आयोजन करता है। भारत सरकार ने मई 2015 से फ्रांस के नागरिकों के लिए ई-टूरिस्ट वीजा स्कीम शुरू की है। ऐसे फ्रांसीसी यात्री इस श्रेणी के वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं और अपने ईमेल खाते के माध्यम से वीजा प्राप्त कर सकते हैं, जिनके भारत दौरे का एक मात्र प्रयोजन मनोरंजन, भ्रमण, दोस्तों या रिश्तेदारों से मिलने के लिए कैजुअल विजिट, अल्पावधिक चिकित्सा उपचार या कैजुअल बिजनेस विजिट है। इससे भारत के लिए वीजा प्राप्त करने में सहूलियत प्राप्त हुई है।

शैक्षिक एवं तकनीकी सहयोग : पिछले कुछ वर्षों में भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय शैक्षिक तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग बढ़ रहा है। अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के दौरान आयोजना एवं वास्तुशिल्प विद्यालय, दिल्ली और पेरिस स्थित राष्ट्रीय वास्तुशिल्प संस्थान ने एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया तथा आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय ने आयुर्वेद पर एक मंशा पत्र पर हस्ताक्षर किया। फ्रांस में तकरीबन 5000 भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं। फ्रांस में भारतीय छात्रों की संख्या में वृद्धि की वजह से भारतीय छात्रों एवं शोध छात्रों के लिए मेसन डी लिंडे छात्रावास की एनेक्सी के निर्माण की परियोजना शुरू की गई तथा अक्टूबर 2013 में पूरी की गई। विस्तार परियोजना के तहत वर्तमान एम डी एल भवन के समीप 72 अतिरिक्त कमरों का निर्माण किया गया है। दोनों देशों के बीच स्कूल विनिमय कार्यक्रम भी है जिसके तहत 2015 में भारत के 15 स्कूल फ्रांस गए तथा फ्रांस के 30 स्कूल भारत आए।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई दिल्ली स्थित भारत - फ्रांस उन्नत अनुसंधान संवर्धन केन्द्र (सी ई एफ आई पी आर ए) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के संवर्धन में प्रमुख भूमिका निभाता है। विज्ञान में अनुसंधान तथा विद्यमान शोध परियोजनाओं की समीक्षा एवं मूल्यांकन के लिए संयुक्त प्रस्तावों के वित्त पोषण पर चर्चा करने के लिए सेफिप्रा की नियमित बैठकें होती हैं। पिछली बैठक बंगलौर में नवंबर 2015 में हुई थी। भारत और फ्रांस के छात्रों के लिए 2013 से रमन - चरपाक छात्रवृत्ति शुरू की गई है।

अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान दोनों देश एक संयुक्त भारत - फ्रांस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति का गठन करने पर सहमत हुए। इस सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए दो एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए - एक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा सी एन आर एस तथा फ्रांस के बीच और दूसरा भारत में एक राष्ट्रीय समुद्री जैविक एवं बायो प्रौद्योगिकी संस्थान स्थापित करने के लिए सहयोग पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग तथा सी एन आर एस, फ्रांस एवं यू पी एम सी के बीच, जो एक फ्रांसीसी विश्वविद्यालय है।

दोनों देशों में अपने अपने पाठ्यक्रमों को पूरा करने के बाद छात्रों के लिए पेशेवर अनुभव को सुगम बनाने के लिए भारत - फ्रांस करार, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी की अप्रैल 2015 में फ्रांस यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे, के अनुसरण में फ्रांसीसी सरकार ने मास्टर लेवल तथा इससे ऊपर के भारतीय छात्रों को पहले से प्रदान किए गए 12 माह के पहले प्राधिकार के बाद 12 माह का दूसरा ''अथराइजेशन प्रोविजोइरे दे सिजोर' प्रदान करना शुरू कर दिया है, जबकि भारत सरकार ने फ्रांस के छात्रों के लिए वोलोनट्रैट इंटरनेशनल इन इंटरप्राइजेज (वी आई ई) स्कीम शुरू की है।

रेलवे के क्षेत्र में सहयोग : भारत एवं फ्रांस के बीच रेलवे के क्षेत्र में लंबे समय से सहयोग चल रहा है। फरवरी, 2013 में, राष्ट्रपति होलांडे की भारत यात्रा के दौरान, दोनों देशों के बीच रेलवे क्षेत्र में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए एक संयुक्त वक्तव्य तथा भारतीय रेल एवं सोसिएट नेशनेल देस चेमिंस दे फेर फ्रैंकेस (एस एन सी एफ), जो फ्रांस की राष्ट्रीय रेलवे है, के बीच रेलवे के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। 24-25 नवंबर, 2014 को, रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु ने नई दिल्ली में 'हाई एंड सेमी हायर स्पीड, मल्टीमॉडल स्टेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर एंड फाइनेंसिंग' पर भारत – फ्रांस रेल सेमिनार का उद्घाटन किया।

अप्रैल 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की फ्रांस यात्रा के दौरान भारतीय रेल और एस एन सी एफ के बीच एक रेलवे प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किया गया। अक्टूबर 2015 में फ्रांसीसी कंपनी अल्सटोम ने मधेपुरा, बिहार में स्थापित होने वाले भारतीय रेलवे के एक प्लांट में 800 लोकोमोटिव के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए भारतीय रेल के साथ करार किया है। इस संविदा का मूल्य 3.2 बिलियन यूरो है।

जन दर जन संपर्क : एक अनुमान के अनुसार फ्रांस के मुख्य इलाके में एन आर आई सहित भारतीय समुदाय की संख्या 106,000 के आसपास है जिनमें से ज्यादातर पुदुचेरी, काराइकल, यनम, माहे और चंद्रनगर से हैं। रियूनियन द्वीप (लगभग 2,50,000), गौडेलूप (लगभग 57,000), मार्टिनिक (लगभग 6,000) एवं सेंट मार्टिन (लगभग 300), जो फ्रांस के प्रवासी भू-भाग / विभाग हैं, में भी पी आई ओ का विशाल समुदाय है। भारतीय सामुदायिक संगठन, जिनकी संख्या 50 के आसपास है, घनिष्ठ जन दर जन संपर्कों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

राज्यों के बीच सहयोग : भारतीय राज्यों तथा फ्रांसीसी क्षेत्रों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सितंबर 2015 में तेलंगाना और बोरडियक्स मेट्रोपोल के बीच सहयोग के लिए एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। कर्नाटक सरकार ने दिसंबर 2015 में पेरिस और टूलाउस में निवेश रोड शो का आयोजन किया था।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, पेरिस की वेबसाइट:
http://www.ambinde.fr/
भारतीय दूतावास, पेरिस का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndiaInFrance
भारतीय दूतावास, पेरिस का यूट्यूब :
https://www.youtube.com/channel/UCX6XYIVPq0C0NeNgMIjRmsg
भारतीय दूतावास, पेरिस का ट्विटर :
https://twitter.com/Indian_Embassy

*****

जनवरी, 2016